www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 235 | जौनपुर मंगलवार, 15 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जरूरत पड़ी तो बंगाल में ममता बनर्जी के लिए प्रचार करूंगा : तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी चुनाव जीत रही हैं और बंगाल में अगली सरकार भी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की ही बनेगी। पटना में आईएएनएस से बातचीत में तेजस्वी यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी चुनाव जीतेंगी, हमें पूरा भरोसा है। हमारी पार्टी वहां पर टीएमसी का साथ देगी। जरूरत पड़ी तो मैं खुद बंगाल में ममता बनर्जी के लिए प्रचार करूंगा। बिहार में नए मंत्रिमंडल विस्तार पर तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सीएम कोई भी बने, उसका रिमोट कंट्रोल गुजरात से ही चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां लोगों का कोई मुख्यमंत्री नहीं है। पिछले 20 सालों में इन्होंने बिहार को बर्बाद कर दिया है। पिछले दो महीनों से न तो कोई कैबिनेट बैठक हुई है और न ही कोई फैसला लिया गया है। प्रशासन पूरी तरह निष्क्रिय हो गया है। भ्रष्टाचार बढ़ गया है, अपराध में वृद्धि हुई है और रोजगार नहीं है। चुनाव के दौरान किए गए वादों में से एक भी पूरा नहीं हो रहा है। मंत्रियों के मुख्यमंत्री आवास पर बार–बार आने–जाने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि कौन आ रहा है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 2,926 उम्मीदवार मैदान में – चुनाव आयोग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कुल 2,926 उम्मीदवार मैदान में बने हुए हैं। पश्चिम बंगाल (द्वितीय चरण) के लिए जहां 29 अप्रैल को मतदान होना है, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 9 अप्रैल थी, जिसके बाद 10 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की गई। उम्मीदवारों को 13 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक अपने नामांकन वापस लेने की अनुमति थी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद उम्मीदवारों की कुल संख्या को अंतिम रूप दे दिया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 152 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं, इसमें 1,478 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरे चरण में 142 क्षेत्र शामिल हैं, जिसमें 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस प्रकार, दोनों चरणों में उम्मीदवारों की कुल संख्या 2,926 है। आयोग ने कहा कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) चुनाव संचालन नियम, 1961 के अनुसार आधिकारिक राजपत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित करेंगे। इसके अतिरिक्त, नामांकन, जांच और नाम वापस लेने से संबंधित सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रूप से सीलबंद करके प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए आधिकारिक अभिरक्षा में रखा जाएगा।

राष्ट्र निर्माण में बाबा साहेब अंबेडकर के प्रयास बेहद प्रेरणादायक : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंबेडकर जयंती के अवसर पर आज मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब अंबेडकर के योगदान को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बाबा साहेब अंबेडकर को नमन किया। एक एक्स पोस्ट में एक पुराने थ्रोबैक वीडियो को शेयर किया गया है, जिसमें पीएम मोदी यह कहते दिख रहे हैं कि आज का दिन देश के इतिहास का बहुत बड़ा दिन है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संकल्प हैं। बाबा साहेब ने अपने जीवन को संघर्ष से जोड़ा और समाज की बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़े। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि अंबेडकर ने अपने व्यक्तिगत सम्मान या मर्यादा की चिंता किए बिना समाज के अंतिम पायदान पर खड़े दलित, पिछड़े, शोषित और वंचित वर्ग के लोगों को बराबरी और सम्मान दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष किया। अपमान सहने के बावजूद वे अपने मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए। प्रधानमंत्री ने बताया कि 2014 के बाद उनकी सरकार ने अंबेडकर जी की प्रेरणा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने महू की जन्मभूमि, लंदन की शिक्षा स्थली, दिल्ली की महापरिनिर्वाण स्थली और नागपुर की दीक्षा भूमि का विकास कर उन्हें 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के दिखाए रास्ते पर चलते हुए देश तेजी से गरीबों, दलितों और वंचितों के जीवन में बदलाव ला रहा है। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने भी बाबा साहेब को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने हर वर्ग को समान अधिकार और अवसर देने वाला संविधान देकर भारतीय लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी। अमित शाह ने यह भी उल्लेख किया कि अंबेडकर ने देश की अखंडता के लिए धारा 370 का मजबूती से विरोध किया था। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें सिखाता है कि जब संकल्प देश सेवा और जनकल्याण का हो, तो हर बाधा छोटी हो जाती है। राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार ने अपने संदेश में अंबेडकर को भारत के संविधान निर्माता, महान समाज सुधारक और सामाजिक न्याय के पुरोधा के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत आधार दिया। उनके विचार और आदर्श हमें एक समावेशी और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए लगातार प्रेरित करते रहेंगे। पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी बाबा साहेब को नमन करते हुए उन्हें सामाजिक क्रांति का संवाहक और संविधान का शिल्पी बताया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने समता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्यों से भारत के नवनिर्माण की नींव मजबूत की। जेपी नड्डा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब के विचार हमें जनसेवा और विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने बैसाखी समेत कई त्योहारों पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 14 और 15 अप्रैल, 2026 को मनाए जाने वाले बैसाखी, विशु, विषुव, बोहाग बिहू, पोइला बैसाख, पुथांडु समेत अन्य पर्वों की पूर्व संध्या पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। फसल कटाई और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं त्योहार राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि ये सभी त्योहार फसल कटाई के मौसम के उपलक्ष्य में देश के अलग–अलग हिस्सों में विविध रूपों में मनाए जाते हैं। इन पर्वों के माध्यम से हम धरती माता और अन्नदाता किसानों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। एकता और परंपराओं का उत्सव उन्होंने कहा कि ये त्योहार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कृषि परंपराओं और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैं। इन अवसरों पर समाज में भाईचारा और सामूहिकता की भावना और मजबूत होती है। खुशहाली और समृद्धि की कामना राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कामना की कि ये सभी पर्व देशवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आएं तथा सभी को राष्ट्र और समाज के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

यूपी सरकार संवार रही ग्रामीण महिलाओं का जीवन, मशरूम उत्पादन से 10 लाख तक कमाई

लखनऊ, (संवाददाता)। खेती का मतलब अब सिर्फ गेहूं–धान की फसल तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले की रहने वाली पप्पू देवी ने इस बात को जमीन पर सच साबित कर दिखाया है। पारंपरिक खेती से इतर योगी सरकार के उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) की मदद से उन्होंने मशरूम उत्पादन शुरू किया और आज उनकी सालाना कमाई 8 से 10 लाख रुपए तक पहुंच गई है। यह मिशन अब प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक आजादी और स्वावलंबन के लिहाज से श्संजीवनीश साबित हो रहा है। भदोही जैसे जिले में जहां ज्यादातर परिवार पुश्तैनी खेती पर निर्भर हैं, वहीं पप्पू देवी ने लीक से हटकर कुछ नया करने की ठानी। यूपीएसआरएलएम और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सही मार्गदर्शन ने उनके इस सपने को पंख दिए। उन्होंने अपनी जमा–पूंजी से करीब ढाई लाख रुपए लगाए और 50 हजार रुपए का ऋण लेकर मशरूम उगाने का काम शुरू किया। थोड़ी सी जगह और सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह उद्यम आज एक बेहतरीन मुनाफे वाले व्यवसाय में बदल चुका है। खास बात यह है कि पप्पू देवी की यह सफलता सिर्फ उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरने तक सीमित नहीं है। वे अब अपने गांव की अन्य स्थानीय महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध करा रहीं हैं। उनका यह मॉडल स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और ग्रामीण महिलाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बन गया है।

नीतीश कुमार के इस्तीफे की तैयारी, आज नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान संभव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार को मंगलवार को अपने नए मुख्यमंत्री के बारे में पता चल सकता है। 20 साल से बिहार के सीएम रहे नीतीश कुमार मंगलवार सुबह 11 बजे कैबिनेट की बैठक करेंगे। इसमें कई महत्वपूर्ण एजेंडों पर फैसला हो सकता है। इसके बाद वह जनता दल यूनाईटेड के विधायक दल की बैठक में शामिल होंगे। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी की भी विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार अपना इस्तीफा राज्यपाल सैयद अता हसनैन को सौंपेंगे। भाजपा ने अभी तक अगले मुख्यमंत्री के लिए अपने उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा नहीं की है लेकिन उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। इसका मुख्य कारण निवर्तमान सरकार में गृह मंत्रालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालना है। प्रभावशाली ओबीसी समुदाय, कोइरी जाति से संबंध रखने वाले चौधरी को 2023 में राज्य पार्टी अध्यक्ष बनाया गया था और एक साल बाद वे उपमुख्यमंत्री बने। एक और नाम जो ध्यान आकर्षित कर रहा है, वह है नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का। हालांकि जेडीयू में निशांत कुमार के पक्ष में माहौल है लेकिन इस बार भाजपा को ही असली दावेदार माना जा रहा है। कुछ मीडिया संगठनों द्वारा किए गए हालिया जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, सम्राट चौधरी और निशांत कुमार दोनों को जनता की पसंद में कड़ी टक्कर मिल रही है। सर्वेक्षण में व्यापक सामाजिक अपेक्षाओं पर भी प्रकाश डाला गया है।लगभग आधे उत्तरदाताओं ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से मुख्यमंत्री की इच्छा व्यक्त की, जिसमें चौधरी और निशांत दोनों शामिल हैं। यह तब भी है जब लोग बड़े पैमाने पर नीतीश कुमार को 2030 तक मुख्यमंत्री बने रहने देना चाहते थे और उनके अचानक पद छोड़ने से कई लोग हैरान रह गए थे। जमीनी स्तर पर, सत्ता परिवर्तन की तैयारियां पहले से ही दिखाई दे रही हैं।

चुनावी रैली में लगाए अनर्गल आरोप : हिमंत

दिसपुर, (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक बयानबाजी अब व्यक्तिगत आरोप–प्रत्यारोप तक पहुंच गई है। असम जातीय परिषद की उम्मीदवार कुनकी चौधरी की मां, सुजाता गुरुंग चौधरी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। 11 अप्रैल को दर्ज शिकायत में सुजाता चौधरी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा ने चुनाव प्रचार के दौरान उनके खिलाफ झूठे, बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बयान दिए। उनका कहना है कि इन बयानों का मकसद उनकी छवि खराब करना और उनकी बेटी कुनकी चौधरी को राजनीतिक रूप से निशाना बनाना था। दरअसल, 2 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया था कि सुजाता गुरूंग चौधरी ने सोशल मीडिया पर बीफ सेवन से जुड़े पोस्ट साझा किए, कुछ समुदायों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और पाकिस्तान का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा था कि वे कुनकी चौधरी के माता–पिता के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। इन आरोपों को खारिज करते हुए सुजाता चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिखाया गया फोटो भ्रामक है। उनके मुताबिक यह तस्वीर अमेरिका के डेनवर स्थित इंटरनेशनल चर्च ऑफ कैनबिस में ली गई थी, जहां वे जिस वस्तु को पकड़े हुए थीं, वह मांस हीं बल्कि एक तकिया (पिलो) था। उन्होंने प्ब्क के निदेशक स्टीव बर्के का एक पत्र भी संलग्न किया है, जिसमें इसी बात की पुष्टि की गई है। शिकायत में उन्होंने यह भी कहा कि इन आरोपों के बाद उनकी निजी तस्वीरें, जिनमें उनके नाबालिग बेटे की तस्वीरें भी शामिल हैं, सोशल मीडिया पर बिना अनुमति के वायरल की जा रही हैं। इससे उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग, उत्पीड़न और चरित्र हनन का सामना करना पड़ा है। सुजाता चौधरी ने आरोप लगाया कि कई अज्ञात लोगों और सोशल मीडिया हैंडल्स ने उनकी छवि खराब करने के लिए मॉर्फ्ड तस्वीरें और एआई से तैयार सामग्री भी साझा की है, जिससे उनके परिवार को मानसिक तनाव और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग से मांग की है कि इस मामले में तुरंत संज्ञान लिया जाए, भ्रामक और आपत्तिजनक कंटेंट को सोशल मीडिया से हटाया जाए, और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

आधुनिक भारत के निर्माण में बाबासाहेब अंबेडकर का अतुलनीय योगदान : मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा, सद्भाव और समरसता के भाव के साथ बनाई जा रही है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ. अंबेडकर का अतुलनीय योगदान है। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने राजधानी भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ. अंबेडकर का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने भारतीय संविधान का निर्माण कर समतामूलक समाज की स्थापना के लिए सभी वर्गों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने आगे कहा कि डॉ अंबेडकर के समाज कल्याण के किए गए कार्य को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बाबासाहेब की न्याय, समानता की विरासत सदैव हमें हमेशा प्रेरित करती रहेगी। अंबेडकर जयंती पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बाबासाहेब की जन्मस्थली डॉ. अंबेडकर नगर (महू) स्थित प्रतिमा पर श्रद्धा–सुमन अर्पित किए और इस पावन अवसर पर सादर नमन किया। डॉ अंबेडकर को याद करते हुए पटवारी ने कहा, प्लोकतंत्र की मजबूती, हर भारतीय के समान अधिकार, हर वर्ग की हिस्सेदारी व संविधान की रक्षा की लड़ाई में बाबासाहेब की शिक्षाएं हमेशा प्रेरणा देती रहेंगी। डॉ. अंबेडकर की जयंती पर राजधानी सहित राज्य के विभिन्न स्थानों पर सामाजिक समरसता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रभात फेरियां निकाली गई, प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की गई, साथ ही राष्ट्र की मजबूती का संकल्प लिया गया।

प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में बोले महापौर, तेजी से विकसित हो रहा अयोध्या नगर निगम

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी का मानना है कि धार्मिक नगरी में श्रद्धालुओं का पानी खरीद कर पीना सामाजिक अपराध है।उन्होंने दावा किया कि नगर निगम अयोध्या लगातार इस दिशा में काम कर रहा है कि किसी भी श्रद्धालुओं को यहां आने पर खरीद कर एक बूंद भी पानी न पीना पड़े। उन्होंने बताया कि जल्द ही अयोध्या के प्रत्येक घर तक सरयू नदी के पवित्र जल की सप्लाई पेयजल के रूप में सुनिश्चित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि महानगर के छह वार्डों में 24 घंटे तीसरे साल तक पानी पहुंचाने की योजना अमल में लाई जा रही है।वह प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।महापौर ने कहा कि 90 से अधिक वाटर कूलर एवं वाटर क्याक्स के अलावा सैकड़ों इंडिया मार्का टू हैंडपंप स्थापित किए गए हैं। घर–घर वॉटर सप्लाई की व्यवस्था की जा रही है।उन्होंने बताया कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बस अड्डा के पीछे 500 लोगों के रात्रि विश्राम के लिए आवास का प्रबंधा किया गया है। पर्यटन विभाग के सहयोग से हनुमानगढ़ी के सामने छाजन लगाया जा रहा है। बनवीरपुर, पलिया शाहबदी, गद्दोपुर में जल निकासी के लिए पंप और नाले का निर्माण कराया गया है।जलवानपुरा में जल भराव की समस्या काफी हद तक नियंत्रित हो गई है। उन्होंने बताया कि नगर में तीन वर्ष के दौरान 235 सड़कों का निर्माण कराया गया है। 46 करोड़ की लागत से 90 सड़कों का निर्माण स्वीकृत हुआ है। उन्होंने बताया कि हर वार्ड में एक करोड़ रुपये से अधिक का विकास कार्य कराया गया है।उन्होंने माना कि विस्तारीकरण क्षेत्र में नगरीय सुविधा देना चुनौती थी। विस्तारीकरण क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में लगभग पांच करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य कराए गए हैं। 500 किलोमीटर सीवर लाइन तथा पेयजल सुविधा के लिए प्रत्येक वार्ड तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि 12 करोड़ रुपये की सोलर लाइट जल्द ही मिलने वाली है।इससे नगर की प्रकाश व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।प्रेस से मिलिए कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवाल पर महापौर ने बताया कि महापुरुषों के सम्मान के लिए कई पहल की गई है, जिसमें अखंडता चौक का निर्माण प्रमुख है।बाबा पागल दास के नाम पर मृदंग तिराहा की स्थापना की जाएगी।लेफ्टिनेंट शशांक त्रिपाठी के नाम पर कल्याण मंडपम का नामकरण, देवकाली बाईपास तिराहे का नामकरण कारगिल शहीद जगदंबा पांडे के नाम पर किया गया है। चौक एवं रामनगरी में विशालकाय राष्ट्रीय ध्वज लगाया जाएगा। उन्होंने पुष्पराज चौराहे पर लगी अशफाकउल्ला खान की प्रतिमा पर छतरी लगवाने का वादा किया।इस मौके पर स्वतंत्रता सेनानी के परिवारों एवं सहित सैनिकों के परिवारों का गृह एवं जलकर माफ करने की मांग भी उठाई गई, जिस पर महापौर ने बताया कि इस संबंध में नगर निगम से प्रस्ताव पास कर शासन को भेजा गया।रामनगरी के प्रवेशद्वार लता चौक के पास बेंडिंग जोन का निर्माण कराया जाएगा।यहां स्ट्रीट फूड की व्यवस्था के साथ पेयजल और सफाई का भी विशेष प्रबंध होगा। इसके अलावा अन्य कई स्थानों पर वेंडिंग जोन बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन है। नगर में लगे फौव्वारों के न चलने की शिकायत पर उन्होंने जांच कराकर चालू करने का वादा किया। इसके अलावा सफाई,सीवर जल निकासी,प्रदूषण से संबंधित कई मांगें आईं,जिस पर कार्रवाई का भरोसा महापौर ने दिया।

खरगे का आरोप– संविधान पर हमले के पीछे साजिश जयराम रमेश ने सरकार को संसद में पारदर्शिता पर घेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर खरगे ने कहा कि संविधान आज एक षड्यंत्रकारी हमले का सामना कर रहा है। हमें उनके द्वारा स्थापित प्रत्येक सिद्धांत की रक्षा के लिए खड़ा होना होगा। खरगे ने एक्स पर कहा बाबासाहेब डॉ भीम राव आंबेडकर की जयंती पर, हम उस दूरदर्शी व्यक्ति को गहरी श्रद्धा से नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को उसकी नैतिक और संवैधानिक आत्मा दिया की। हिमाचल प्रदेश उन्होंने कहा कि बाबासाहेब न केवल भारत के संविधान के निर्माता थे, बल्कि स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लिए एक अथक योद्धा भी थे, ये वे मूल्य हैं जो भारत की अवधारणा को ही परिभाषित करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'आज, जब संविधान एक षड्यंत्रकारी हमले का सामना कर रहा है, तो उनके शब्द और चेतावनियां नए सिरे से प्रासंगिक हो गई हैं। यह साहस और दृढ़ विश्वास का समय है।' डॉ आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। उनका निधन 6 दिसंबर 1956 को हुआ। उन्हें भारतीय संविधान का निर्माता माना जाता है। वही, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को संसद के आगामी विशेष सत्र को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया और इसे लोकतंत्र का मजाक बताया। उन्होंने सत्र के समय पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि सांसदों को चर्चा से पहले संवैधानिक संशोधन विधेयक उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

संपादकीय

तजुर्बे को झेलना आसान नहीं

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक–ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। ईरान का यह एलान चौंकाने वाला है कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में आखिर कैसे पहुंचा? कोई देश अमेरिकी फॉर्मूले को ठुकरा कर युद्ध खत्म करने के लिए अपनी शर्तें पेश करे, दुनिया के लिए यह नया तजुर्बा है। खासकर शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक–ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। इसीलिए ईरान का यह एलान चौंकाने वाला साबित हुआ कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में पहुंचा, तो उसकी संभवतरू तीन वजहें हैं। एक तो वहां का नेतृत्व मरने–मारने की मनोदशा में है, दूसरे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जारी वार्ता के बीच दो बार हमले कर अपनी साख गंवा दी है, और तीसरे लगभग चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध की कथा बदल डाली है। ईरान की जबरदस्त बर्बादी एक तथ्य है। अमेरिका के मुताबिक उसने लगभग दस हजार ईरानी ठिकानों पर बमबारी की है। मगर लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी है। अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के 13 सैनिक अड्डों को इस तरह तबाह किया है कि वहां किसी का रहना संभव नहीं रह गया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान लगभग 20 अमेरिकी लड़ाकू विमान या तो नष्ट कर दिए गए या वे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ–35 भी है। इसी तरह अमेरिका के बहुचर्चित बेड़े अब्राहम लिंकन और जेराल्ड फोर्ड पर ईरान ने मिसाइलें दागीं, जिनसे उन्हें नुकसान होने की चर्चा रही है। इस बीच इजराइल के अंदर ईरानी मिसाइलों ने अंदर तक घुस कर मार की है। ऐसे में नए ईरानी नेतृत्व का आकलन संभवतरू यह है कि जमीनी हमले की तैयारी के साथ–साथ अमेरिका युद्धविराम का फॉर्मूला भी भेज रहा है, तो उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। फिर, जब युद्ध में ईरान को अपने सर्वोच्च नेतृत्व को गंवाने से लेकर जान–माल की व्यापक क्षति झेलनी पड़ी है, तो पुराने मुद्दों और उन्हीं अमेरिकी शर्तों पर फिर बात करने का कोई तुक नहीं रह जाता। तो ईरान ने अमेरिकी फॉर्मूला ठुकरा दिया है। अमेरिकी शासक वर्ग के लिए इस तजुर्बे को झेलना आसान नहीं होगा।

नोएडा में क्यों हिंसक हुआ कर्मचारियों का प्रोटेस्ट, आंदोलन या साजिश

अभिनय

पिछले तीन–चार दिन से हम देख रहे हैं कि श्रमिक हड़ताल कर रही हैं। प्रोटेस्ट कर रही हैं। उनकी मांग है कि उनका वेतन बढ़ाया जाए। उनकी मांग है कि ओवरटाइ का उनको पैसा दिया जाए। उनकी मांग है कि उनको वीकली ऑफ दिया जाए और सम्मानित तरीके से उनको काम करने दिया जाए। उनका शोषण ना हो। उनकी सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। 13 अप्रैल को सुबह–सुबह यानी अगर आज सुबह का मैं जिक्र करूं तो देखते ही देखते नोएडा के अलग–अलग क्षेत्रों में ये जो साइलेंट प्रोटेस्ट चल रहा था, यह अचानक से उग्र हो गया। कितना उग्र हो गया? गाड़ियां जला दी गई। जो तस्वीरें सामने आई है उसको देखने के बाद अंदाजा लगाया जा सकता है। जोर–जोर से नारे लगाए जा रहे हैं। यह प्रदर्शन देखते ही देखते उग्र हो गया। जो लोग अपने ऑफिसों के लिए निकले थे वो अपने ऑफिस नहीं जा पाए। पुलिस बल वहां पर तैनात कर दिया गया और स्थिति को कुछ ऐसा दिखाने की कोशिश की गई कि सब कुछ आउट ऑफ कंट्रोल है। प्रदर्शनकारी लंबे समय से वेतन वृद्धि और कामकाज की जो परिस्थितियां है उसमें सुधार करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई के दौर में मौजूदा वेतन पर्याप्त नहीं है जिससे उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। कर्मचारियों की जो प्रमुख मांगे हैं उसमें मिनिमम जो सैलरी है वह 13,000 से बढ़ाकर 20,000 करने को कहा गया है। साथ ही साथ ओवरटाइ का पेमेंट किया जाए और छुट्टियों के लिए अलग से प्रोविजन को शामिल किया जाए। यह उनकी प्रमुख मांगे हैं। व स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और प्रशासन जो है वह हरकत में आया। मौके पर भारी पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है और प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की गई। हालांकि जब भीड़ काबू से बाहर होती नजर आई तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करके भीड़ को तितर–बितर किया। इस दौरान आंसू गैस के गोले का भी इस्तेमाल किया गया। कई स्थानों पर हालात धीरे–धीरे अब सामान्य होने लगे हैं। लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। एक दिन पहले जिला प्रशासन, पुलिस और प्राधिकरण के अधिकारियों ने कर्मचारियों के जो प्रतिनिधि हैं उनके साथ एक मीटिंग की थी। इस मीटिंग में उनकी मांगों पर विचार करने और समाधान निकालने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद भी कर्मचारियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। अधिकारी का कहना है कि किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी। इससे पहले 12 अप्रैल को गौतम बुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम ने नोएडा प्राधिकरण में एक मीटिंग ली थी जिसमें प्रमुख सचिव श्रम और यूपी के जो लेबर कमिश्नर हैं वह भी इसमें वर्चुअली शामिल हुए थे। इस मीटिंग में जो कर्मचारी हैं उनके हितों की सुरक्षा, ओवरटाइ का दुगना भुगतान, बोनस, वीकली ऑफ और वर्क बेस, सेफ्टी और सिक्योरिटी को लेकर बातचीत की गई थी। इसके बाद कर्मचारियों से अपील करते हुए डीएम मेधा रूपम ने एक वीडियो भी पोस्ट किया था। आपको सुनवाते हैं। सभी श्रमिक भाई बहनों से यह मेरी अपील है कि आप सब शांति पूर्वक अपने अपने कार्यस्थल पर जाएं और कार्य करें। साथ में आपसे यह भी अपील है कि जिले का सौहार्द बनाए रखें व कानून व्यवस्था भी बनाए रखें। इसके साथ–साथ आपसे यह भी अपील है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों से प्रभावित नहीं हो। हालांकि प्रशासन के आश्वासन के बाद भी नोएडा में कर्मचारियों की मांगे अब भी बरकरार हैं। अभी भी कोई समाधान नहीं निकला है। जिसकी वजह से सोमवार को यह जो प्रोटेस्ट है वो हिंसक हो गया और आगजनी जगह–जगह की गई है। इससे पहले हरियाणा के गुरुग्राम में भी आधा दर्जन से ज्यादा कंपनियों के जो कर्मचारी हैं प्राइवेट कंपनी उनके कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल की थी। बाद में हरियाणा सरकार की तरफ से मिनिमम वेतन या जो कि मिनिमम वेजेस होते हैं उनकी दरों में करीब 35% का इजाफा करने की बात कही गई थी जो कि 1 अप्रैल से एप्लीकेबल होगा। इसके तहत अनस्किल्ड वर्कर का वेतन 11,275 से बढ़ाकर 15,220 किया गया। सेमी स्किल्ड वर्कर का वेतन 12,430 से बढ़ाकर 16,780, स्किल्ड वर्कर का वेतन 13,704 से बढ़ाकर 18,500 और हाईली स्किल्ड वर्कर का वेतन 14,389 से बढ़ाकर 19,425 करने की बात कही। यही मांग नोएडा में भी जो कर्मचारी हैं, वह कर रहे हैं। औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समय पर और सम्मानजनक पैसे देने के निर्देश दिए हैं। शनिवार देर शाम आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के बीच उभर रहे असंतोष और हालिया प्रदर्शनों का संज्ञान लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरण अगले 24 घंटे के भीतर औद्योगिक संगठनों, उद्योग प्रतिनिधियों और इकाई प्रबंधन से सीधा संवाद स्थापित करें और समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से प्राथमिकता पर सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जनपदों में श्रम कानूनों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए । उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक श्रमिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और मानवीय कार्य वातावरणमिलना चाहिए। उनके अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, विश्रामगृह, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रत्येक औद्योगिक इकाई की अनिवार्य जिम्मेदारी है। योगी जी ने यहां तक कहा है कि भाई सारे कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी और ये कहा था कि आप अपने यहां वर्क आवर कम कीजिए। लेबर लॉस का पालन कीजिए। यह सब हुआ है। उसके बाद ये प्रोटेस्ट शुरू हुआ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मेरठ के सेंट्रल मार्केट में हो रही तोड़फोड़ के साथ आंदोलन और नोएडा में श्रमिकों की हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ पूंजीपतियों का पोषण कर रही है और श्रमिकों, छोटे व्यापारियों का शोषण कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का भ्रष्टाचार का पेट सुरसा के मुंह जैसा हैश और जो व्यापारी आज भाजपा के साथ खड़े हैं, वे भी जल्द ही इनकी गलत नीतियों का शिकार बनेंगे। अखिलेश यादव ने 1857 की क्रांति का जिक्र करते हुए कहा कि मेरठ एक बार फिर इतिहास दोहराएगा। कहा कि 1857 के बाद अब मेरठ से एक और स्वतंत्रता आंदोलन जन्मेगा, जो आज के साम्राज्यवादी सत्ताधारी गिरोह के खिलाफ होगा। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पहले काले कानूनों से खेती–किसानी खत्म करने की कोशिश की और अब मल्टीनेशनल कंपनियों के इशारे पर भारत का परंपरागत व्यापार खत्म कर रही है ताकि अर्थव्यवस्था पर चंद खरबपतियों का कब्जा हो जाए।

धर्म, साहस और आपे गुरु चेला की महान परंपरा

सुखबीर सिंह सिंघोत्रा

बैसाखी का पावन पर्व सिख इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है जब गुरु गोबिंद सिंह जी ने सन 1699 में आनंदपुर साहिब की पावन धरती पर खालसा पंथ की स्थापना की थी, उस समय उनका नाम गोबिंद राय था। यह स्थापना किसी साधारण धार्मिक आयोजन का परिणाम नहीं थी बल्कि उस समय के सामाजिक अन्याय, धार्मिक अत्याचार और मानवाधिकारों के हनन के विरुद्ध एक क्रांतिकारी कदम था । उस समय समाज में भय, भेदभाव और जबरन धर्म परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ रही थीं, आम जनमानस में साहस और आत्मसम्मान की कमी हो रही थी । ऐसे समय में गुरु गोबिंद सिंह जी ने एक ऐसे पंथ की स्थापना की जो न केवल आध्यात्मिक रूप से जागरूक हो बल्कि अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस भी रखे । खालसा पंथ का मूल उद्देश्य था संत सिपाही तैयार करना जो भक्ति और शक्ति दोनों का संतुलन बनाए रखे। बैसाखी के ऐतिहासिक दिवस पर गुरु गोबिंद राय जी ने विशाल सभा में आव्हान किया कि जो देश धर्म के लिए अपने प्राणों का त्याग कर सकता है वो सामने आए । सभा में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया फिर पीछे से एक व्यक्ति उठा और सहजता से चलते हुए गुरु गोबिंद सिंह जी के पास आया और बोला कि मैं अपने प्राणों का बलिदान देने को तैयार हूं गुरु गोविंद सिंह जो उस समय गोविंद राय कहलाते थे उन्हें अंदर ले गए और पंडाल के पीछे से तलवार चलने की जोरदार आवाज आई और खून की धार सभा की तरफ बहने लगी, गुरुजी बाहर आए उनके हाथों में रक्त रंजित तलवार थी उन्होंने दोबारा आवाज लगाकर पूछा कि और कौन गुरु का प्यारा देश और धर्म के लिए जान दे सकता है फिर एक व्यक्ति उठा और उसने भी देश धर्म के लिए अपने प्राण कुर्बान करने की बात कही गुरुजी उससे भी अंदर ले गए फिर जोरदार आवाज और खून की धार, इस तरह एक.एक कर पांच लोगों को गुरु जी पंडाल के पीछे ले गए और खून की धार बाहर बहती रही पूरी सभा में सन्नाटा था लोग आश्चर्य में थे कि गुरु जी ने यह क्या किया ? क्यों किया ? यह परीक्षा केवल आस्था की नहीं बल्कि समर्पण, साहस और विश्वास की थी । जब पाँच सिख इस परीक्षा में खरे उतरे तब गुरु जी ने उन्हें अमृत पान करवाकर खालसा बनाया । गुरु जी ने जिन्हें अमृत पान करवाकर पंज प्यारे सजाया उनमें भाई दया सिंह जी (लाहौर के निवासी) – भाई धरम सिंह जी (हस्तिनापुरध्मेरठ के निवासी) – भाई हिम्मत सिंह जी (जगन्नाथ पुरी के निवासी) – भाई मोहकम सिंह जी (द्वारका के निवासी) – भाई साहिब सिंह जी (बीदर के निवासी) थे । इसके पश्चात जो घटना घटी वही सिक्ख परंपरा की सबसे अद्वितीय और प्रेरणादायक मिसाल बनी। गुरु गोविंद सिंह जी ने स्वयं उन्हीं पाँच प्यारों से अमृत ग्रहण किया और स्वयं को भी खालसा में शामिल किया। उसके बाद से गुरु गोविंद राय का नाम गुरु गोबिंद सिंह पड़ा । यही वह ऐतिहासिक क्षण है, जिसके कारण सिख परंपरा में कहा जाता है, वाह वाह गोबिंद सिंह आपे गुरु चेला इस पंक्ति का गहरा अर्थ है कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरु और शिष्य के बीच की दूरी को समाप्त कर दिया। उन्होंने यह संदेश दिया कि सच्चा गुरु वही है जो स्वयं भी उसी अनुशासन मर्यादा और नियमों का पालन करे, जो वह अपने अनुयायियों को सिखाता है। उन्होंने स्वयं को ऊँचा नहीं रखा बल्कि अपने अनुयायियों के साथ समान स्तर पर खड़ा किया। यह समानताए विनम्रता और नेतृत्व का सर्वोच्च उदाहरण है। इससे यह सिद्ध होता है कि सिक्ख पंथ में किसी भी प्रकार का ऊँच.नीच या भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। आज भी गुरुद्वारों में गरीब . अमीर सब एक साथ एक लाइन में बैठकर लंगर ग्रहण करते हैं। आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा हैकृनैतिक मूल्यों में गिरावट, आपसी विभाजन और युवाओं का भटकावकृतब गुरु गोबिंद सिंह जी का यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। हमें यह सीख मिलती है कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नहीं बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने का नाम है। छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर सिक्ख समाज सदैव सरबत दा भला की भावना के साथ सेवा, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता आया है। आज बैसाखी के इस पावन अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम गुरु साहिब के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज में न्याय, समानता और सेवा की भावना को और सुदृढ़ करें। खालसा मेरो रूप है खास, खालसे में हउ करौं निवासश् यह वचन हमें याद दिलाता है कि खालसा केवल एक पहचान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है।

हिन्दू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अंगीकार कर मैं बहुत प्रसन्न हूं – डॉ अम्बेडकर

एल. एस.

हरदेनिया ईसाई धर्म बुनियादी रूप से गरीबों का धर्म है। इसी तरह बौद्ध धर्म महारों का धर्म है। ब्राह्मण लोग गौतम बुद्ध को श्वो गौतमश कहकर पुकारते थे। हमने बौद्ध धर्म अंगीकार करके एक नया रास्ता, एक नई मंजिल पाई है। यह उच्चता प्राप्त करने और प्रगति का धर्म है। यह रास्ता बाहर से नहीं आया है। यह हमारे देश का है। यह पूर्ण रूप से भारतीय है।श मैं आज बहुत ही प्रफुल्लित हूं। मैं जरूरत से ज्यादा प्रसन्न हूं। मैंने जिस क्षण हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया है मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने नर्क से मुक्ति पा ली है। ये शब्द डॉ. अम्बेडकर के उस भाषण के हैं जो उन्होंने हिन्दू धर्म को त्यागकर बौद्ध धर्म को स्वीकार करते हुए दिया था। उन्होंने अपने भाषण में याद दिलाया कि सन् 1935 में हमने हिन्दू धर्म त्यागने का आंदोलन प्रारंभ किया था। उसी दरम्यान मैंने यह फैसला किया था कि मैं हिन्दू पैदा हुआ था परंतु मैं हिन्दू के रूप में मरूंगा नहीं। मैंने कल यह सही साबित कर दिया। आज मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैंने हिन्दू रूपी नर्क से मुक्ति पा ली है। नागपुर में सन् 1956 के 15 अक्टूबर को अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ अम्बेडकर ने कहा श्मुझे यह जानकर आश्चर्य है कि हर जगह यह बातचीत चल रही है कि मैं धर्म परिवर्तन कर रहा हूं। पर कोई यह नहीं पूछ रहा कि मैं हिन्दू धर्म छोड़कर कौनसा धर्म स्वीकार कर रहा हूं। मेरा उत्तर है कि मैं बौद्ध धर्म अंगीकार कर रहा हूं। मैं क्यों बौद्ध धर्म को स्वीकार कर रहा हूं? मैंने बहुत पहले हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय ले लिया था क्योंकि मैंने हिन्दू समाज में अत्यधिक अपमान का जीवन जिया था। मेरे पिता बहुत गरीब थे। शायद किसी और व्यक्ति ने इतना कठिन जीवन जिया हो जितना मैंने जिया।श्मैंने यह महसूस किया कि भैंस, बैल और इंसान में अंतर है। भैंस और बैल को प्रतिदिन भूसा चाहिए। खाना तो इंसान को भी चाहिए। परंतु एक अंतर है। वह यह कि इंसान के पास मस्तिष्क है। मस्तिष्क के विकास के लिए सांस्कृतिक वातावरण चाहिए। समाज में पूछा जाता है अरे यह महार है। यह नीच महार प्रथम दर्जा चाहता है। इसे तीसरे दर्जे में रहना चाहिए। प्रथम दर्जे में रहने का अधिकार तो ब्राह्मण को है। ऐसी स्थिति में महार का विकास कैसे हो सकता है। ऐसा वातावरण बना दिया गया जिसमें महार के दिमाग का विकास संभव नहीं। मेरा ही उदाहरण लें। मुझे स्कूल में बिना पानी के रहना पड़ता था। मैं एक ही कपड़े में स्कूल जाता था।हिन्दू समाज को चार वर्णों में बांटा गया था। मनुस्मृति में ऐसा विभाजन किया गया है। हिन्दू समाज में जो हमें नीचे दर्जे में रखते हैं वे स्वयं भी एक दिन नष्ट हो जाते हैं। हिन्दू धर्म में रहकर कोई भी विकास नहीं कर सकता। वह धर्म ही ऐसा है जिसमें सभी के लिए विकास के दरवाजे बंद रहते हैं। हिन्दू धर्म विध्वंस का धर्म है। जब ब्राह्मण मां बच्चे को जन्म देती है तो सोचती है उसका बेटा जज बनेगा। परंतु जब महार मां बच्चे को जन्म देती है तो वह सोचती है कि उसका बच्चा सड़क झाड़ने वाला मेहतर बनेगा। वह सोच ही नहीं सकती कि उसका बच्चा जज बनेगा।श्ईसाई धर्म बुनियादी रूप से गरीबों का धर्म है। इसी तरह बौद्ध धर्म महारों का धर्म है। ब्राह्मण लोग गौतम बुद्ध को श्वो गौतमश्च कहकर पुकारते थे। हमने बौद्ध धर्म अंगीकार करके एक नया रास्ता, एक नई मंजिल पाई है। यह उच्चता प्राप्त करने और प्रगति का धर्म है। यह रास्ता बाहर से नहीं आया है। यह हमारे देश का है। यह पूर्ण रूप से भारतीय है। मैं कभी–कभी सोचता हूं कि हम बौद्ध क्यों नहीं। क्या कारण था कि बौद्ध धर्म के अनुयायी भारत से आगे चले गए। कुछ तिब्बत चले गए, कुछ चीन चले गए। बौद्ध धर्म अंगीकार करते हुए हमें याद रखना चाहिए कि सारी दुनिया बौद्ध धर्म का सम्मान करती है। अमेरिका में बौद्ध धर्म की 2000 संस्थाएं हैं। इसी तरह इंग्लैंड और जर्मनी में भी बौद्ध धर्म की हजारों संस्थाएं हैं। बौद्ध धर्म की मौलिक नींव क्या है। बौद्ध धर्म और अन्य धर्मों में क्या अंतर है? अन्य धर्मों के अनुसार सब कुछ ईश्वर ने बनाया है, आकाश, चन्द्रमा, सूर्य सब कुछ ईश्वर ने बनाया है। हमने इंसान के लिए कुछ नहीं छोड़ा है। बौद्ध धर्म में ईश्वर और आत्मा का कोई स्थान नहीं है। बुद्ध के अनुसार सारी दुनिया में दुरूख है। बौद्ध धर्म का काम सारी मानवता को दुरूख से उबारना है। कार्ल मार्क्स भी यही कहते हैं। उन्होंने जो कहा वह बुद्ध ने जो कहा उससे भिन्न नहीं है। हिन्दू धर्म की रचना ऐसी है जिसके चलते पिछले हजार वर्षों में हमारी जाति में एक भी ग्रेजुएट पैदा नहीं हुआ। यहां तक कि मेरी जाति के लोगों को पानी पीने को भी नहीं मिलता था। पानी पीने के लिए हमें स्कूल के चपरासी का सहारा लेना पड़ता था। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप बौद्ध धर्म का पालन ऐसे करें जिससे सब आपका सम्मान करें। आप लोग ऐसा कुछ न करें जिससे बौद्ध धर्म पर कोई आंच आए। उच्च जाति के लोग कहते हैं कि हम यदि एक भैंस की लाश को ठिकाने लगाते हैं तो हमें 500 रूपए मिलते हैं। मेरा आपसे कहना है कि आप ही भैंस और गायों की लाशों को ठिकाने लगाएं और 500 रूपए कमाएं। एक ब्राह्मण युवक मेरे पास आया और कहने लगा कि आपको अब क्या करना चाहिए। आपके लिए संसद में सीटें आरक्षित हो गईं हैं। मैंने उससे कहा कि श्तुम मेहतर बन जाओ और इन सीटों को भर लो।श आरक्षण अकेले से काम नहीं चलता है। बात सम्मान की भी है। पैसा तो वेश्या भी कमाती है। सुबह उठते हुई वह नाश्ते में खीमा और डबल रोटी खाती है। परंतु मेरे समाज के लोगों को चने फुटेने भी नाश्ते में नहीं मिलते हैं पर वे इज्जत से रहते हैं।ये अखबार वाले मुझसे पूछते हैं कि क्या बौद्ध धर्म स्वीकार करने से हमारे समाज के लोगों को सम्मान मिलेगा? मैं किसी को बौद्ध धर्म स्वीकार करने को मजबूर नहीं करूंगा। जो बौद्ध बनना चाहते हैं वे मन से बनें। मेरी मान्यता है ।

महिला आरक्षण–नया आयाम, क्यूँ जरूरी

बृजमोहन श्रीवास्तव

आज देश में सबसे चर्चित विषय महिला आरक्षण है और इसका महत्व देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के लेख से और अधिक हो गया है ।इसलिए यह जरूरी है कि इस आरक्षण के लिये हमारी तैयारी पर भी बात होना चाहिए । बात 1993–94 की है, जब मध्य प्रदेश में 73वें संविधान संशोधन के बाद पहली बार पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की घोषणा हुई। चूँकि ये चुनाव किसी राजनीतिक दल के चुनाव चिन्ह पर नहीं होने थे, इसलिए सभी नेता अपने–अपने समर्थित उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की तैयारी में थे। मैंने व भोपाल सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अनिरूध प्रसाद शास्त्री जी ने यह निर्णय लिया कि हम भोपाल जिले की सभी पंचायतों व अन्य स्थानों में अपने प्रत्याशी खड़े करेंगे। चुनाव की तैयारी के प्रथम चरण में जब महिला प्रत्याशियों की तलाश शुरू की तो हमें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि संशोधन के कारण 33 प्रतिशत पद महिलाओं के लिये आरक्षित तो थे ही मगर उसमें भी पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए भी आरक्षण निर्धारित था। इसके चलते योग्य और इच्छुक महिला उम्मीदवारों का मिलना कठिन था।

जनपद सदस्य के लिये एक वार्ड अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित था। जब हमने उस वार्ड के लिए मतदाता सूची में महिला प्रत्याशी की तलाश शुरू की तो समझ आया कि चयन बहुत सीमित मतदाताओं में से ही करना पड़ेगा । तब हमें अपने एक समर्थक के खेत में काम करने वाली आठवीं पास युवा महिलाकृआशा मिली । जब हमने उस युवती के सामने चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा उसने आश्चर्य के साथ बस इतना ही कहा जैसा भैय्या बोलें मगर उसका अगला सवाल था – रोजी रोटी का क्या होगा और करना क्या पड़ेगा ? हमने उसे बताया कि चुनाव में लोगों से वोट मांगना होगा और जीतने के बाद जनपद सदस्य के रूप में जनता के लिए काम करना होगा। वहीं मेरे समर्थक ने उसे नौकरी चलते रहे का आश्वासन दिया । अपने पति से बातचीत कर वह चुनाव के लिए तैयार हो गई । उसके नामांकन के बाद चुनाव प्रचार के दौरान मैंने उसे वोट माँगते समय उसमें आ रहे बदलाव को करीब से महसूस किया और इस बदलाव की छलक एक छोटी–सी आम सभा में देखी । हम सभी का मानना था कि वह भाषण नहीं देगी मगर उसने सबको गलत साबित करते हुऐ भाषण दिया और ऐसा बोला कि देर तक तालियाँ बजती रहीं । उसने बहुत ही सरल, लेकिन आत्मविश्वास से भरे शब्दों में कहाकृ मैं इसी गाँव की बेटी हूँ। जब मैं यहाँ से निकलती थी, तो मेरे पैर मिट्टी में सन जाते थे। अगर मैं चुनाव जीती तो मेरी कोशिश होगी कि अब गाँव में किसी भी बेटी के पैर मिट्टी में नहीं सने।ष उसके ये शब्द वहाँ उपस्थित हर व्यक्ति के मन में गहराई तक उतर गए थे । मैंने उस कम शिक्षित, मजदूर आशा को आशा देवी बनने की यात्रा को कघ्रीब से देखा । मैं एक साधारण महिला को राजनेता बनते देख रहा था और यह इसलिए हो रहा था क्योंकि मुकघबले में महिलायें ही थी। वह चुनाव तो हार गई मगर चुनाव लड़ने से उसमें जो आत्मविश्वास पैदा हुआ उसने एक महिला नेत्री को जन्म दिया ।वह इससे आगे के चुनाव लड़ने की ख्वाहिश होने के बावजूद भी पिछड़ गई, मैं आज जब पूरे हालात का विश्लेषण करता हूँ तो मुझे लगता है कि यदि उसे पुरुष नेताओं के साथ संघर्ष नहीं करना होता तो शायद वह आज कम से कम जिला स्तर पर तो काम कर रही होती । यह एक महिला के नेता बनने और फिर गुमनाम होने की कहानी नहीं है बल्कि प्रतिभा, संकल्प और उर्जा से भरीं लाखों महिलाओं की बात है । पिछले तीस–पैंतीस सालों में जब से महिला सशक्तिकरण के लिये लोकसभा–विधानसभा में महिला आरक्षण की माँग उठी है तब लेकर अब तक सार्वजनिक क्षेत्र की कई संस्थायें जैसे स्थानीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं, सहकारिता , कारपोरेट, कानूनी संस्थाएं और अन्य संगठनों में महिलाओं को जो आरक्षण मिला, उसने देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को एक नई दिशा दी है। महिला आरक्षण के कारण लाखों महिलाओं ने विभिन्न पदों पर काम करके प्रशासनिक व चुनावी अनुभव प्राप्त कर लिया है ।आज देश का कोई ऐसा सार्वजनिक मंच नहीं है जहाँ महिलाएँ नेतृत्व नहीं कर रही हो । जिस चुनाव का मैंने जिक्र किया है उसे बीते लगभग पैंतीस वर्ष बीत चुके हैं मगर आज जब पीछे मुड़कर देखता हूँ विश्वास से भर जाता हूँ कि हमारी आबादी का पचास प्रतिशत अब कघनून बनाने के लिये पूरी तौर से तैयार है, इसलिए इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिये अन्तिम कदम उठाने में देरी करना ठीक नहीं हैं क्योंकि आज देश की महिलाएँ न केवल जागरूक हैं, बल्कि राजनीतिक रूप से परिपक्व भी हो चुकी हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि उन्हें देश के सर्वोच्च नीति–निर्माण मंचों पर कानून बनाने का भी समान अवसर मिलना चाहिए। सालों की लंबी बहस के बाद आखिरकार वह ऐतिहासिक क्षण सितंबर 2023 में आया जब हमारी संसद ने लम्बी सार्थक बहस के बाद 106वें संविधान संशोधन को मंजूरी देते हुए महिला आरक्षण विधेयक पारित किया । इस कानून के तहत अब लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। हम सब जानते है कि आज तक देश में बने कघनूनों मे पुरुषों की भागीदारी अधिक रही है फलस्वरूप कघनूनों में पुरुष सोच का वर्चस्व रहा है जो कि स्वाभाविक है। यही कारण रहा कि महिलाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानून समय पर नहीं बन सके। इसके चलते हमारे लोकतंत्र में अनेक ऐसी योग्य महिलाओं अवसरों से वंचित रह गई , जो उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती थीं । अब यह कानून उस ऐतिहासिक कमी को दूर करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदर्श माध्यमिक विद्यालय जनभवन के नवीन भवन का किया उद्घाटन

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जनभवन के 5.17 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवीन भवन का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इस अभिनव प्रयास के लिए राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बच्चों को सीख दी कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता और निरंतर प्रयास से ही सभी कार्य सफल होते हैं। इस अवसर पर अतिथियों ने 'हमारा जनभवन' पुस्तक का विमोचन किया तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या और वाहन चालक को विद्यालय बस की चाबी भी प्रदान की।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता। जैसे प्रत्येक अक्षर में मंत्र बनने की क्षमता होती है और प्रत्येक वनस्पति में औषधि बनने का गुण होता है, उसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य में योग्य बनने का सामर्थ्य होता है, केवल उसे सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में राज्यपाल ने एक आदर्श प्रस्तुत किया है, जिससे प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रेरणा प्राप्त कर सकती हैं।मुख्यमंत्री ने बच्चों को प्रेरित करते हुए वैद्य जीवक का उदाहरण दिया और बताया कि तक्षशिला में शिक्षा प्राप्त करने के बाद गुरु ने उन्हें ऐसी वनस्पति खोजने को कहा, जिसमें औषधीय गुण न हो। कई दिनों तक वन में खोज करने के बाद भी उन्हें ऐसी कोई वनस्पति नहीं मिली, जिसमें औषधीय गुण न हो। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रत्येक वस्तु और व्यक्ति में उपयोगिता और क्षमता विद्यमान होती है।नवनिर्मित विद्यालय भवन की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शिक्षण संस्थानों के लिए एक आदर्श स्वरूप के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि इस स्वरूप को अन्य स्थानों पर भी अपनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर भवन और अनुकूल वातावरण से शिक्षा का स्तर ऊंचा होता है और सर्वसमावेशी विकास को बढ़ावा मिलता है।मुख्यमंत्री ने बताया कि 5.17 करोड़ रुपये की लागत से बने इस भवन में 4.70 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए, जबकि शेष धनराशि राज्यपाल के प्रयासों से सामाजिक दायित्व निधि के माध्यम से प्राप्त हुई। उन्होंने प्रयोगशाला, पुस्तकालय और कक्षाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह विद्यालय अब विभिन्न शैक्षिक और खेल गतिविधियों का केंद्र बन रहा है।उन्होंने कहा कि यदि प्रयास किया जाए तो सरकारी विद्यालयों को भी निजी विद्यालयों के समान प्रतिस्पर्धा योग्य बनाया जा सकता है। यह आदर्श माध्यमिक विद्यालय उसी दिशा में एक सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने विद्यालय के बच्चों के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के भीतर बड़े लक्ष्य प्राप्त करने की क्षमता स्पष्ट दिखाई देती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने आदर्श माध्यमिक विद्यालय के रूप में प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा को एक नया मार्ग दिखाया है, जिसे अन्य विद्यालयों में भी अपनाया जा सकता है। उन्होंने यहां अध्ययनरत बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट ने निःशुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला शुरु की

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट ने महिलाओं और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जौनपुर शहर में एक माह की निःशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया है। यह कार्यशाला टी.डी. कॉलेज दक्षिणी गेट के पास स्थित टीप टॉप ब्यूटी पार्लर में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्घाटन महिला थाना अध्यक्ष श्रीमती श्यामा तिवारी ने किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा नारी उत्थान और उनकी आत्मनिर्भरता के लिए ऐसे प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन निश्चित रूप से प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रभावी साबित होगा। विशिष्ट अतिथि तेज डायग्नोस्टिक सेंटर की संचालिका श्रीमती बबीता सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की यह मुहिम युवतियों को अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद करेगी और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी। ट्रस्ट की सदस्य उर्वशी सिंह ने बताया कि ट्रस्ट परिवार द्वारा इस तरह के कई प्रशिक्षण शिविर पहले भी आयोजित किए जा चुके हैं, और वर्तमान में खुज्झी चंदवक में भी एक शिविर चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जौनपुर शहर में इस बार कार्यशाला आयोजित करने का उद्देश्य था, और यहां की महिलाओं व बच्चियों का उत्साह देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। बड़ी संख्या में घरेलू महिलाएं और बच्चियां इस कार्यशाला में बढ़–चढ़कर भाग ले रही हैं। प्रशिक्षिका सीमा गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद हर सप्ताह एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाली बच्चियों को समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा, जिससे उनमें सीखने की चाह और उत्साह बना रहेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ट्रस्ट परिवार के सदस्य डॉ. पूनम सिंह, ज्ञान चंद गुप्ता, रजनी सोनी और प्रशिक्षक आलिया, रीना, सुधा, रिशू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महासचिव श्रीमती राधिका सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लूट के मामले में फरार चल रहा वांछित अभियुक्त किसान पथ से गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना मोहनलालगंज पुलिस ने लूट के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सिंह सेंगर के निर्देशानुसार तथा पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित आनन्द के पर्यवेक्षण में, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली बसंथ कुमार एवं सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज विकास कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 07 अप्रैल 2026 को वादी हेमन्त सोनी पुत्र राजेन्द्र कुमार सोनी निवासी तेलीबाग, थाना पीजीआई, लखनऊ द्वारा थाना मोहनलालगंज में सूचना दी गई थी कि दिनांक 06 अप्रैल 2026 को होटल एंट्रास में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम (मुंडन संस्कार) में शामिल होने के बाद लौटते समय रात्रि लगभग 10रू30 बजे वाहन पीछे करने को लेकर विपक्षी पक्ष से विवाद हो गया।आरोप है कि आरोपी पक्ष ने वादी एवं उसके भाई शंकर सोनी की गाड़ी को एक कार से रोककर दोनों को जबरन बाहर खींच लिया और डंडों से मारपीट की। इसके बाद वादी का लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल फोन तथा गले में पहनी सोने की चेन छीन ली गई। इस संबंध में थाना मोहनलालगंज पर मुकदमा संख्या 132ध्26 धारा 309(6) भारतीय न्याय संहिता के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वादी और आरोपी पक्ष एक–दूसरे को पहले से जानते थे। दिनांक 06 अप्रैल 2026 को होटल एंट्रास में आयोजित एक मुंडन कार्यक्रम में दोनों पक्ष आमंत्रित थे। प्रारंभिक विवाद के बाद आरोपी पक्ष अपने गांव चला गया, लेकिन बाद में योजनाबद्ध तरीके से लौटकर वादी पक्ष पर हमला कर लूट की घटना को अंजाम दिया गया।उक्त प्रकरण में नामित अन्य अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका था, जबकि अभियुक्त निखिल सिंह उर्फ प्रिन्स फरार चल रहा था। पुलिस टीम द्वारा दिनांक 13 अप्रैल 2026 को प्रातः लगभग 01रू20 बजे किसान पथ के पास से अभियुक्त निखिल सिंह पुत्र मलखान सिंह, निवासी हरिकंशगढ़ी, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वर्ष 2019 में थाना मोहनलालगंज में धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं में उसके विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था।अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रामसागर गुप्ता, उपनिरीक्षक हर्षित गुप्ता तथा कांस्टेबल सत्येन्द्र सिंह शामिल रहे।

हिंद नगर वार्ड में कूड़ादान वितरण कार्यक्रम आयोजित, नागरिकों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत जोन–8 के हिंद नगर वार्ड में कूड़ादान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर सुषमा खर्कवाल ने किया। इस दौरान क्षेत्रीय नागरिकों को कूड़ादान वितरित किए गए तथा उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।महापौर सुषमा खर्कवाल ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए स्वच्छ भारत मिशन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप लखनऊ ने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नागरिकों के सहयोग से आगामी सर्वेक्षण में लखनऊ प्रथम स्थान प्राप्त करेगा।महापौर ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे गीले और सूखे कचरे को अलग–अलग रखें तथा नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के बिना स्वच्छता का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। इस दौरान उन्होंने उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई और सभी से अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया।कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद सौरभ सिंह 'मोनू', नामित पार्षद नेहा सिंह, जोन–8 के क्षेत्रीय अधिकारी विकास सिंह, स्वच्छता अधिकारी जितेंद्र गांधी सहित नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अलावा जागरूकता दल, स्वच्छता दल तथा क्षेत्रीय दल के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए।जागरूकता दल द्वारा क्षेत्र के निवासियों को कचरा पृथक्करण, स्वच्छता के महत्व और स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई।

नारी शक्ति वंदन एक्ट महिलाओं की भागीदारी के लिए सरकार का सशक्त कदम: मनोरमा मौर्या

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने एवं महिलाओं के अधिकारों के प्रति जन–जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बुधवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के प्रचार–प्रसार के अंतर्गत एक भव्य मेगा हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और महिलाओं के सम्मान, समानता एवं अधिकारों के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जौनपुर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 देश में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे समाज में महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु आगे आएं और सकारात्मक सोच का प्रसार करें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव केश लाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। मिशन शक्ति समन्वयक डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के लागू होने से महिलाओं की राजनीति में 33 फीसदी भागीदारी सुनिश्चित होगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि जब महिलाएं नेतृत्व करेंगी, तो महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे भारत की संसद में प्रभावी रूप से उठाए जा सकेंगे। कार्यक्रम में एनसीसी प्रभारी डॉ. मनोज पांडे, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी शशिकांत यादव, डॉ. प्रियंका, डॉ. वनिता सिंह एवं सोनम झा सहित अन्य प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे। सभी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस अभियान को समय की आवश्यकता बताया और अधिक से अधिक लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्र स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस दौरान दिव्यांशु सिंह, सुमित सिंह, पृथ्वी राज सिंह, मोनू कुमार, अंश मौर्य, तनु सिंह, कन्हैया यादव एवं अर्पिता यादव सहित अन्य छात्र–छात्राएं सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और आयोजन को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने में योगदान दिया।

संक्षिप्त खबरें

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना बिजनौर क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर धनराशि हड़पने वाले एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 03 सितंबर 2025 को वादी ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र राम शंकर अग्निहोत्री, निवासी मकान संख्या–70, कोऑपरेटिव सोसायटी, प्रीति विहार कॉलोनी, बिजनौर, लखनऊ द्वारा लिखित तहरीर दी गई थी। इसमें नामित अभियुक्त रावेन्द्र सिंह उर्फ नितिन सिंह, निवासी ग्राम बीबीपुर, पोस्ट फूलपुर, जनपद प्रयागराज पर उच्च न्यायालय में नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये लेकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया था। इस संबंध में थाना बिजनौर में धारा 406 और 420 भादवि के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था।विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 406 भादवि को हटाते हुए धारा 467, 468 और 471 भादवि की बढ़ोत्तरी की गई। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए उच्च अधिकारियों से अन्य जनपद में जाने की अनुमति प्राप्त कर पुलिस टीम ने प्रयागराज जनपद के गद्दोपुर, शान्तिपुरम, थाना फाफामऊ क्षेत्र में दबिश दी। जहां दिनांक 12 अप्रैल 2026 को सायं लगभग 5रू30 बजे अभियुक्त रावेन्द्र सिंह उर्फ नितिन सिंह को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। इसके बाद दिनांक 13 अप्रैल 2026 को उसे न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।पूछताछ में ज्ञात हुआ कि अभियुक्त द्वारा वादी को उच्च न्यायालय प्रयागराज में सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था।

भाजपा सरकार महंगाई और बेरोजगारी बढ़ाकर मजदूरों के साथ कर रही अन्याय– अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार महंगाई और बेरोजगारी को बढ़ाकर मजदूरों के साथ आर्थिक अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि हर प्रकार का अन्याय चरम पर है और नोएडा में मजदूरों के साथ हुई घटना के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भाजपा सरकार लोकतंत्र के बजाय एकतंत्र की तरह काम कर रही है और संविधान के अनुसार नहीं, बल्कि मनमर्जी से शासन चला रही है।अखिलेश यादव सोमवार को सुल्तानपुर दौरे पर थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि नोएडा में मजदूर लंबे समय से अपनी मांग उठा रहे थे, लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में मजदूरों का वेतन बढ़ चुका है, जबकि उत्तर प्रदेश में मजदूरों को इसका लाभ नहीं मिला। सरकार ने मजदूरों से संवाद का कोई प्रयास नहीं किया, जिसके कारण यह घटना हुई।उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार निवेश की बात करती है, वहीं दूसरी ओर मजदूरों के साथ अन्याय हो रहा है। यदि निवेश आएगा लेकिन मजदूरों के हितों की अनदेखी होगी, तो कारखाने कैसे संचालित होंगे।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट गए हैं। तहसील, थाना से लेकर विभिन्न विभागों तक हर स्तर पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी व्याप्त है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बंगाल जाकर हिसाब मांग रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार का हिसाब कब देंगे।

30 प्रतिशत शुल्क बढ़ाया, अभिभावकों ने दिया धरना

लखनऊ, (संवाददाता)। जिला शुल्क नियामक समिति के गठन के बाद पहली बार किसी निजी विद्यालय की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का मामला सामने आया है। जानकीपुरम सेक्टर–एच ब्राइट वे इंटर कॉलेज ने एक वर्ष में 30 प्रतिशत तक शुल्क में बढ़ोतरी की है। इससे नाराज अभिभावकों ने सोमवार को धरना देकर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के तहत प्रतिवर्ष पांच प्रतिशत से अधिक शुल्क नहीं बढ़ाया जा सकता। नियमों का हवाला देते हुए अभिभावकों ने बताया कि विद्यालय में पहली, दूसरी और तीसरी कक्षा में बीते वर्ष 2700 रुपये प्रति महीने की फीस थी जो इस वर्ष बढ़ाकर 3500 रुपये कर दी गई। इसी तरह प्री प्राइमरी की फीस बीते वर्ष 2200 रुपये थी जो अब 3000 रुपये तक कर दी गई है। अभिभावकों ने हाथ में बैनर लेकर धरना दिया और नारा लगाया कि बच्चों की शिक्षा को व्यापार बनाना बंद करो, लूट की दुकान बंद करो। अभिभावकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार की ओर से जारी की गई ईमेल आईडी पर शिकायत भेजी, लेकिन उसका जवाब नहीं मिला।

शिकायत के अनुसार, जानकीपुरम सेक्टर–एच ब्राइट वे इंटर कॉलेज की ओर से मनमाने तरीके से फीस बढ़ाई जा रही है। बुक से लेकर अन्य कई तरीके से मूल्यों में बढ़ोतरी की जा रही है। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 30 प्रतिशत फीस की बढ़ोतरी की गई। जिला शुल्क नियामक समिति की नोडल अधिकारी एडीएम ज्योति गौतम ने बताया कि अभिभावकों की ओर से दिए धरने की वजह तभी मालूम होगी जब वे लिखित शिकायत दें। शिकायत मिलने पर जांच होगी। ब्राइट वे इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. मीना श्रीवास्तव के अनुसार, विद्यालय में बच्चों को आधुनिक शिक्षा दी जा रही है।

स्कूल का पेड़ गिरने से 3000 घरों–दुकानों की बिजली गुल

लखनऊ, (संवाददाता)। महानगर के टेंडर हार्ट्स स्कूल में सोमवार दोपहर उस समय बड़ा हादसा होने से बच गया, जब अशोक का पेड़ अचानक टूटकर बिजली लाइन पर गिर गया। घटना के 20 मिनट बाद बच्चों की छुट्टी होने वाली थी। पेड़ गिरने से करीब 3,000 घरों व दुकानों की बिजली दो बार में डेढ़ घंटे तक गुल रही। सुभाष पार्क महानगर उपकेंद्र के जूनियर इंजीनियर पुष्पेंद्र ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 12 बजे हुआ। बिजली की हाईटेंशन लाइन ने पेड़ को रोक लिया, अन्यथा राहगीर चोटिल हो सकते थे। इससे पहले एक घंटे तक 2,000 घरों व दुकानों की बिजली बंद रही।

लखनऊ उत्तर में सबसे ज्यादा कटे आधी आबादी के वोट

लखनऊ, (संवाददाता)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी मतदाता सूची में जिले की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में 4,12,835 महिला मतदाता कम हो गए हैं। आधी आबादी पर सबसे बड़ा असर लखनऊ उत्तर विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिला है। यहां पहले 2,33,762 महिला मतदाता थीं। एसआईआर के बाद इस विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 67,530 महिला मतदाताओं के नाम कट गए। इसके चलते अब यहां महिला मतदाताओं की संख्या 1,66,232 रह गई हैं। आंकड़ों के अनुसार, महिला मतदाताओं में गिरावट का असर खासकर शहरी विधानसभा क्षेत्रों में ज्यादा देखने को मिला है। सरोजनीनगर, लखनऊ पूर्व और लखनऊ कैंट जैसे शहरी क्षेत्रों में भी महिला मतदाताओं के संख्या घटी है। मलिहाबाद और मोहनलालगंज जैसे ग्रामीण क्षेत्रों का भी यही हाल है, हालांकि यहां महिलाओं की कमी पुरुषों के मुकाबले अधिक दर्ज की गई है। लखनऊ। एसआईआर के बाद थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या में भी कमी दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा गिरावट लखनऊ पश्चिम में हुई, जहां संख्या 32 से घटकर 17 रह गई है। लखनऊ पूर्व और मोहनलालगंज में नौ–नौ, लखनऊ उत्तर में आठ, सरोजनीनगर में पांच, मलिहाबाद में तीन और लखनऊ कैंट में एक नाम कम हुआ है।

पोषाहार वितरण में लापरवाही पर सख्ती, सात सीडीपीओ व सुपरवाइजरों को नोटिस,वेतन रोकने की चेतावनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में पोषाहार वितरण व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। ई–केवाईसी और चेहरा प्रमाणीकरण (एफआरसी) के जरिए लाभार्थियों को पोषाहार वितरण में ढिलाई मिलने पर सात बाल विकास परियोजना अधिकारी और कई सुपरवाइजरों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने समीक्षा बैठक के दौरान लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। इस कार्रवाई की जद में धर्मापुर, मछलीशहर, मड़ियाहूं, करंजाकला, मुंगराबादशाहपुर और रामपुर ब्लॉक के सीडीपीओ शामिल हैं। संबंधित सुपरवाइजरों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।इस मामले में जानकारी लेने पर बुधवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि एफआरसी के माध्यम से पोषाहार वितरण में जौनपुर ने प्रदेश स्तर पर नौवां स्थान प्राप्त किया है, जो पहले की तुलना में बेहतर प्रगति दर्शाता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सुधार न होने पर वेतनध मानदेय रोकने सहित विभागीय कार्रवाई की जाएगी। आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 2,27,335 लाभार्थियों के सापेक्ष अब तक केवल 1,95,885 को ही एफआरसी के माध्यम से पोषाहार वितरित किया जा सका है। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के उद्देश्य से वितरण प्रणाली में बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चेहरा प्रमाणीकरण के जरिए ही बच्चों को पुष्टाहार वितरित करेंगी, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा चने की दाल, गेहूं का दलिया, चावल और खाद्य तेल उपलब्ध कराया जा रहा है। बावजूद इसके, कुछ ब्लॉकों में अभी भी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिन पर प्रशासन सतर्क नजर बनाए हुए है।

सेहरा गांव में युवक की संदिग्ध मौत, पुलिस जांच में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर के रामपुर थाना क्षेत्र के सेहरा गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। सेहरा गांव निवासी पवन सिंह (32)पुत्र दिवाकर सिंह का शव उनके घर के पास पेड़ पर लटका मिला। बुधवार सुबह परिजनों की नजर पड़ते ही घर में कोहराम मच गया। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही रामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबिक, पवन सिंह अविवाहित था और पिछले कुछ समय से नशे की लत से जूझ रहा था। हालांकि, मौत के पीछे के वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं।इस मामले में जानकारी लेने पर थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का सही पता चल सकेगा। परिजनों द्वारा कोई तहरीर नहीं मिली है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संविधान की जानकारी होने पर ही हमें पता चलेगा अपना पूरा अधिकार – कन्हैया लाल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। संविधान के ज्ञाता होने पर ही सभी अधिकारों की जानकारी की जा सकती है।अपने अधिकारों के ज्ञानी नागरिक सशक्त समाज का निर्माण कर सकता है।हमारे मौलिक अधिकारों को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने संविधान में निहित कर दिया है।जिसे हमे पढना चाहिए। उक्त विचार समाजसेवी एवं सेवानिवृत शिक्षक कन्हैयालाल ने डॉ भीमराव अंबेडकर पूर्व माध्यमिक विद्यालय सीहीपुर में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में पुरस्कार वितरण के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया। इस मौके पर छात्र–छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमो की प्रस्तुति करके अतिथियों का मन मोह लिया।थाना क्षेत्र हैदरगंज के सीहीपुर उसरा स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रात्रि में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विद्यालय मे सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के उप प्रबंधक भीम प्रकाश व संचालन रमेश कुमार ने किया वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश गीत, लोकगीत, नृत्य, नुक्कड़ नाटक, सामाजिक नाटक आदि की प्रस्तुति लक्ष्मी, पिंकी, रिकांसी, आफरीन बानो, मधु आदि छात्र–छात्राओं ने किया।वही विद्यालय में पहुंचे हुए अतिथियों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य भाजपा नेता सियाराम सर्राफ, सपा के प्रेम नारायण यादव, बसपा के डॉक्टर विश्वनाथ निषाद, उपेंद्र दुबे उर्फ झिंगूरी, श्रीनाथ निषाद, सुनील भारती, शिवपूजन, बाबूराम, गुरु राम भारती, श्यामलाल आदि ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए अपने–अपने विचार व्यक्त किया । विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं श्यामलाल, नेपाल राणा, रमा शंकर, गौतम कुमार, अर्चना देवी, नीतू, अर्चना यादव, रीना, सरोज कुमारी आदि ने अतिथियों को फूल मालाओं और बैज लगाकर सम्मानित किया । इस दौरान विद्यालय परिसर में स्थापित भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर अतिथियों ने पुष्प अर्पित किया किया।

अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में एडवांस्ड एंडोस्कोपिक तकनीक से 'होल-इन-द-हार्ट' सर्जरी की क्रांतिकारी शुरुआत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दिल की बीमारियों के इलाज में लखनऊ के अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक नई और आधुनिक शुरुआत की है। अब हार्ट सर्जरी के लिए मरीज की छाती पर बड़ा चीरा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डॉ. राहुल भूषण और उनकी टीम ने केवल छोटे छिद्रों और हाई–डेफिनिशन कैमरों की मदद से दिल की जन्मजात बीमारियों के कई सफल ऑपरेशन किए हैं। इस नई तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि मरीज न सिर्फ तेजी से ठीक हो रहे हैं, बल्कि उन्हें अस्पताल से बहुत जल्दी छुट्टी भी मिल रही है। इस सर्जिकल प्रक्रिया में दिल में छेद यानी एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट को ठीक करने के लिए एंडोस्कोपिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया। यह एक जन्मजात बीमारी है, जिसमें दिल के ऊपरी हिस्सों के बीच एक छेद रह जाता है। अगर इसे नजरअंदाज किया जाए, तो आगे चलकर यह गंभीर परेशानियां खड़ी कर सकता है। उत्तर प्रदेश में पहली बार इस तरह की एंडोस्कोपिक कार्डियक सर्जरी लगातार (बैक–टू–बैक) की गई है। स्थानीय स्तर पर अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी (एमआईसीएस) को काफी तेजी से अपनाया जा रहा है। दशकों से ओपन–हार्ट सर्जरी ही आम तरीका रहा है, लेकिन इसमें सर्जन को छाती की हड्डी काटनी पड़ती है और सर्जरी का एक बड़ा निशान भी रह जाता है। यह नया तरीका इन पारंपरिक प्रक्रियाओं से बिल्कुल अलग है। हड्डी काटने के बजाय, डॉ. भूषण छाती के अंदर स्पष्ट रूप से देखने के लिए एक छोटे हाई–डेफिनिशन कैमरे का इस्तेमाल करते हैं। इस बेहद साफ विजन की मदद से वे छोटे छेदों के जरिए ही दिल की सर्जरी करते हैं। इस तकनीक से डॉक्टरों को सटीक बारीकी मिलती है और मरीज के शरीर पर पड़ने वाला शारीरिक तनाव काफी कम हो जाता है। जिन तीन मरीजों की यह सर्जरी हुई, उनके लिए इसके नतीजे लगभग तुरंत और बेहद असरदार रहे। चूंकि छाती की हड्डी सुरक्षित रही, इसलिए दर्द न्यूनतम था और सर्जिकल आघात न के बराबर रहा। मरीज ऑपरेशन के अगले ही दिन

घर जाने के लिए तैयार थे। यह तकनीक हड्डी और मांसपेशियों को सुरक्षित रखने में भी मदद करती है और सर्जरी के बाद होने वाली जटिलताओं के खतरे को काफी कम कर देती है। कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. राहुल भूषण ने कहा, ष्हम मूल रूप से पुरानी सर्जरी और महंगी रोबोटिक्स के बीच का अंतर खत्म कर रहे हैं।ष डॉ. भूषण, जो नेशनल हार्ट सेंटर सिंगापुर से यह विशेषज्ञता लेकर आए हैं, ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी असरदार तो है, लेकिन कई परिवारों के लिए यह बहुत महंगी होती है। उन्होंने कहा, ष्यह एंडोस्कोपिक तकनीक सर्जनों को रोबोट जैसी ही सटीकता और छोटे चीरे का लाभ देती है, लेकिन इसकी लागत आधे से भी कम है। यह मरीज की सेहत और आर्थिक स्थिति दोनों ही तरह से फायदेमंद है। रोबोटिक कार्डियक सर्जरी के लिए हाई–एंड इंफ्रास्ट्रक्चर और भारी निवेश की जरूरत होती है। इसके उलट, यह एंडोस्कोपिक तरीका उतने ही बेहतर नतीजे देता है और काफी सुलभ भी है। इससे एक बड़ी आबादी के लिए एडवांस्ड कार्डियक केयर संभव हो पाती है। यह पहल दिखाती है कि इस क्षेत्र के अस्पताल मरीजों की देखभाल को लेकर अब क्या नजरिया अपना रहे हैं। मरीजों की देखभाल में केवल सर्जरी की सफलता ही मायने नहीं रखती, बल्कि यह भी अहम है कि मरीज कितनी जल्दी अपनी सामान्य जिंदगी में लौट पाता है। अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, ष्हमारा उद्देश्य है कि उत्तर प्रदेश के मरीजों को राज्य से बाहर जाए बिना ही विश्व स्तरीय कार्डियक केयर मिल सके। लखनऊ में ही इस तरह की उन्नत, मिनिमली इनवेसिव तकनीकों को सुलभ बनाना इसी विजन का एक हिस्सा है। इन प्रक्रियाओं की सफलता उत्तर प्रदेश के हेल्थकेयर इकोसिस्टम में बदलाव का संकेत है। इससे बिना निशान वाली और सटीक कार्डियक सर्जरी को बड़े पैमाने पर अपनाने का रास्ता खुल रहा है। अपोलोमेडिक्स मिनिमली इनवेसिव और मरीज–केंद्रित देखभाल पर फोकस के साथ अपने एडवांस्ड कार्डियक प्रोग्राम का लगातार विस्तार कर रहा है।

महिला एसओ आशा शुक्ला व एसआई चेतना पांडे ने शिक्षक के रूप मे पेश होकर छात्राओं को दिये आवश्यक टिप्स

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।इस समय महिला थाना पुलिस पुलिसिंग कार्य के साथ–साथ शिक्षक के रूप में भी दायित्व का कार्य निर्वहन कर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में छात्राओं को विधिवत जानकारी दे रही है।जो की काफी सराहनीय कार्य है।बताते चले कि इस समय एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर तथा मिशन शक्ति फेज 5 के नोडल प्रभारी व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर तथा सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक चेतना पाण्डेय व अपनी टीम के साथ महिलाओं बालिकाओं तथा छात्राओं को जागरुक कर रही हैं।बुधवार को महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला उप निरीक्षक चेतना पांडे व अपनी टीम के साथ मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के तहत आर्य कन्या इंटर कॉलेज रिकाबगंज में जाकर एक शिक्षक के रूप में नजर आई। इस मौके पर उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं के बारे में छात्राओं को बारीकी से बताया वही उन्होंने एक शिक्षक के रूप में खुद छात्रों से भी मिशन शक्ति के बारे में पूछा इस दौरान शासन द्वारा मिशन शक्ति अभियान क्यों चलाया जाता है इससे क्या लाभ होते हैं योजनाएं क्या–क्या है इन योजनाओं से किसको किसको और क्या–क्या लाभ होता है। उनके द्वारा पूछे गए सवालों का अधिकतर छात्राओं ने सही–सही जवाब दिया और जिन सवालों का जवाब देने में वहां पर मौजूद छात्राएं समर्थ दिखाई दिया उन सवालों का जवाब उन्होंने बारीकी से बताया।इसके अलावा महिला उप निरीक्षक चेतना पाण्डेय ने महिला होमगार्ड शोभावती,महिला कांस्टेबल शशिलता द्वारा आर्य कन्या इण्टर कालेज रिकाबगंज के अलावा जिला अस्पताल, पुलिस लाइन तिराहा,सिविल लाइन चौराहा सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर जाकर वहां पर मौजूद मरीजों उनके परिजनों सहित महिलाओं बालिकाओं को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना ,बाल विवाह मुक्त भारत अभियान और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे अवगत कराया गया व उन्हें किसी भी प्रकार पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया।

कार्यदायी संस्थायें समय से विकास कार्यों को गुणवत्ता एवं मानक के मुताबिक करें पूरा – जयवीर सिंह

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न मंडलों के अंतर्गत आने वाले जनपदों में विभिन्न स्थलों के सौन्दर्यीकरण, नवनिर्माण तथा जीर्णोद्धार हेतु वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य योजना के अंतर्गत परियोजनायें स्वीकृति की है। इसके लिए अनुमानित लागत का आंकलन करते हुए स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रथम किस्त की धनराशि जारी करा दी गयी है।यह जानकारी देते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या मण्डल के अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं के लिए प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करते हुए पहली किस्त के रूप में धनराशि जारी करा दी गयी है। इसके तहत आलापुर के संत बाबा गोविन्द साहब की तपोभूमि अहिरौली के पर्यटन विकास के लिए 60 लाख, कटहरी विधानसभा के भीटी में स्थित काली मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 62 लाख, अकबरपुर चौतीपारा में ग्रामीण विकास के लिए 50 लाख की धनराशि स्वीकृत की है।जयवीर सिंह ने बताया कि अकबरपुर के लोरपुर में स्थित महराजा सुहेलदेव राजभर वंशीय अष्टखम्भा स्तूप के पर्यटन विकास के लिए 78 लाख, अकबरपुर के ही अम्बेडकरनगर स्थित श्रवण क्षेत्र के पर्यटन विकास के लिए 262 लाख, टांडा विकासखण्ड बसखारी में फलाहारी महाराज, अंगीरा मुनि के आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 75 लाख रूपये, जलालपुर स्थित बाबा झारखण्ड के पर्यटन विकास हेतु 75 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।इसी प्रकार अयोध्या मण्डल के अमेठी जनपद के विधानसभा जगदीशपुर स्थित महावीर मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 75 लाख, तिलोई में स्थित कुटीसेवापुर के पर्यटन विकास हेतु 95 लाख, गौरीगंज विधानसभा के अंतर्गत मुसाफिर खाना में बाबा महावीरदास मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 58 लाख रूपये, गौरीगंज के ही तहसील गौरीगंज में नर्वदेश्वर महादेव मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 55 लाख रूपये, अमेठी के विकासखण्ड संग्रामपुर में 300 वर्ष पुराने कालिकनधाम मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 110 लाख रूपये तथा अमेठी के ही गौरीगंज विधानसभा के प्राचीन बूढ़ेबाबा मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 39 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।इस प्रकार अयोध्या मण्डल के अंतर्गत आने वाली विधानसभाओं के लिए 1019 लाख रूपये की धनराशि अनुमानित लागत के सापेक्ष स्वीकृत की गयी है।कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिये गये हैं कि पुनरोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य मानक के अनुसार गुणवत्ता के साथ पूरा कराना सुनिश्चित करें।

सीवर लाइन के नाम पर कार्यदाई संस्था द्वारा शहर के कई गलियों मे खोदे गये गड्ढे की चपेट मे आकर लोग हो रहे चोटिल

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।इस समय नगर निगम के अधिकतर मोहल्ले व कॉलोनियों की सड़कों व गलियों मे सीवर लाइन की पाइप डालने के नाम पर गड्ढे तो खोद कर देते हैं लेकिन सीवर लाइन डालने के बाद संबंधित कार्यदायी संस्था ना तो उन गड्ढो को समतल करने की जरूरत समझते हैं और ना ही पहले जैसे सड़क को पुनः निर्माण करने की कवायद करते हैं।जिसके चलते इन मोहल्ले व कॉलोनियों के लोगो को आने–जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इधर से गुजरने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहन चालक भी इन गड्ढे में आकर गिरकर चोटिल भी होते हैं। परंतु इस गंभीर समस्या पर निर्माण करने वाले कार्यकारी संस्थान कोई ध्यान नहीं दे रही।बताते चलें कि शहर के अश्विनी परम कॉलोनी, वजीरगंज,हैदरगंज, शक्ति नगर कॉलोनी, कसाबबाडा, रिकाबगंज, राठहवेली,कश्मीरी मोहल्ला, साहबगंज, बेनीगंज शाहजहांपुर सहित कई मोहल्ले और कालोनियां है।जहां पर कार्यकारी संस्था द्वारा सिविल लाइन की पाइप बिछाने के नाम पर बड़े–बड़े गड्ढे तो कर देते हैं लेकिन सड.क समतल करने और पहले जैसी सड़क बनाने की कोशिश नहीं करते हैं।इधर से गुजरने वाले छोटे–छोटे बच्चे स्कूली वाहन चालक,दो पहिया वाहन चालक चार पहिया वाहन चालक ई रिक्शा सहित अन्य वाहन इन गड्ढे में गिर जाते हैं और घायल हो जाते हैं।परंतु इस गंभीर समस्या पर किस संबंधि कार्यकारी संस्था कोई ध्यान नहीं दे रही है।इस गंभीर समस्या पर नगर निगम के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने बताया कि यह बहुत ही गंभीर समस्या है क्योंकि काम करनी से पूर्व संबंधित कार्यकारी संस्थान का यह दायित्व रहता है और उन्हें स्वीकृत करना रहता है कि पाइपलाइन बिछाने के बाद उन्हें जैसे पाइपलाइन बिछाने से पहले सड़क मिली थी उसी तरीके से पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क को बनवाना पड़ेगा फिलहाल उन्होंने इस संबंध में जांच करवाने की बात कही है।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित कार्यक्रम में पहुंची सैकड़ो महिलाएं

ब्यूरो चीफ–आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर । लंभुआ ब्लॉक परिसर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्र की महिलाओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया हैं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी मीना चौबे ने महिलाओं को संबोधित किया उन्होंने देश की आधी आबादी यानी महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,उज्ज्वला योजना,मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना,लखपति दीदी योजना और 33: महिला आरक्षण कानून के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी मीना चौबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार काम हो रहा हैं अब महिलाएं सिर्फ घर तक सीमित नहीं बल्कि देश निर्माण में बराबर की भागीदार हैं इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष शेर बहादुर सिंह, ब्लॉक प्रमुख कुमार बहादुर सिंह, भाजपा नेत्री रेखा बरनवाल समेत कई भाजपा पदाधिकारी एवं महिला ग्राम प्रधान,आंगनबाड़ी कार्यकत्री, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं मौजूद रहीं कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुई।

अब गोरखनाथ पुराने ओवरब्रिज की होगी मरम्मत, एक माह तक रहेगा डायवर्जन

गोरखपुर, (संवाददाता)। राजघाट पुल के बाद अब गोरखनाथ पुराने ओवरब्रिज की मरम्मत को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने गोरखनाथ पुराने ओवरब्रिज पर यातायात करीब एक महीने तक बंद रखकर मरम्मत कार्य कराने की योजना बनाई है। इसके लिए विभाग ने यातायात पुलिस को पत्र भेजकर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 1980 में निर्मित यह पुराना पुल पिछले कुछ समय से जर्जर स्थिति में पहुंच गया है। नियमित निरीक्षण के दौरान पुल के एक्सपेंशन जॉइंट्स सहित कई हिस्सों में खराबी पाई गई थी। लंबे समय से मरम्मत कार्य लंबित होने के कारण पुल की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही थी, जिससे आवागमन के दौरान दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई थी। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक, 20 अप्रैल के बाद किसी भी समय मरम्मत कार्य शुरू किया जा सकता है। मरम्मत के दौरान पुल के एक्सपेंशन जॉइंट्स बदले जाएंगे और अन्य तकनीकी खामियों को भी दुरुस्त किया जाएगा ताकि पुल को फिर से सुरक्षित और मजबूत बनाया जा सके। मरम्मत अवधि में पुराने पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे में यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए वाहनों को पास ही बने नए ओवरब्रिज से डायवर्ट किया जाएगा। इससे आम लोगों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ सकता है लेकिन प्रशासन का कहना है कि यह कदम जनसुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता रंजन सिंह ने बताया कि मरम्मत कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जाएगा ताकि यातायात व्यवस्था जल्द सामान्य हो सके।

एक सप्ताह बाद आया सिलिंडर, पुलिस ने बंटवाई गैस

उन्नाव, (संवाददाता)। इंडेन गैस एजेंसी में एक सप्ताह बाद सिलिंडर आने की सूचना पर 840 उपभोक्ता पहुंच गए। यहां सिलिंडर वितरण के दौरान पहले गैस लेने को लेकर लोगों में धक्कामुक्की हुई। सूचना मिलने पर पुलिस कर्मियों ने पहुंचकर वितरण कार्य कराया। ईश्वरी कृपा इंडियन गैस एजेंसी में सोमवार को सिलिंडर का लोड आया था। इसमें महिलाएं भी शामिल थीं। दोपहर करीब तीन बजे वितरण शुरू होते ही धक्कामुक्की होने लगी। माहौल बिगड़ते देख गैस एजेंसी संचालक ने पुलिस को सूचना दी। सिपाहियों ने उपभोक्ताओं को शांत कराकर गैस वितरण शुरू कराया। शाम तक गैस वितरण चलता रहा। हालांकि, 200 से अधिक उपभोक्ताओं को बिना गैस लिए ही वापस लौटना पड़ा। एजेंसी संचालक राकेश कुमार ने बताया कि एक सप्ताह बाद गाड़ी आई है। लोड आने पर शेष उपभोक्ताओं को गैस दी जाएगी।

चार साल में घट गई 1.24 लाख महिला मतदाता

उन्नाव, (संवाददाता)। चार साल में 1.24 लाख महिला मतदाता कम हो गई हैं। वर्ष 2022 के चुनाव में 10.45 लाख महिला वोटर थीं, अब संख्या कम होकर 9.20 लाख रह गई है। इसके पीछे का कारण वर्ष 2003 सूची से संबंधित माता–पिता की मतदाता की जानकारी उपलब्ध न करा पाना रहा। इससे बड़ी संख्या में महिलाओं के नाम काटे गए हैं। वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में वोटरों की संख्या 22,86,979 थी। इसमें महिला मतदाता 10,45,578 थीं।

रामनगरी मे जाम लगना हुआ आम,शहरवासी रहते है घंटो परेशान

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।इस समय रामनगरी में राम भरोसे यातायात व्यवस्था चल रही है।शहर का कोई ऐसा ही चौराहा या फिर मार्ग शायद ही बचा हो जहां पर आपको जाम ना मिले।देखा जाए तो यह जाम केवल कुछ मिनट तक ही नहीं बल्कि कई घंटों तक आप इस जाम में फंसे रहेंगे यहां तक की इधर से गुजरने वाले खासकर एंबुलेंस के माध्यम से मरीज छात्रों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है।इस संबंध में जब यातायात पुलिस विभाग के अधिकारियों से बात की जाती है तो उनका यही रटा रटाया उत्तर रहता है कि जाम की कोई समस्या शहर में नहीं है।कोतवाली नगर क्षेत्र के कसाबबाडा, रिकाबगंज, जिला महिला चिकित्सालय, गुरु नानक पब्लिक स्कूल, देवकाली बाईपास, नाका बाईपास, रायबरेली बाईपास मार्ग, चौक, फतेहगंज, रिकाबगंज, नियांवा, गुदरी बाजार सहित कई ऐसे प्रमुख चौराहे व मार्ग है जहां पर जाम लगना आम बात है।यह जाम सुबह से लेकर देर शाम तक बनी रहती है। सबसे गंभीर स्थिति उसे समय जाम की उत्पन्न हो जाती है जब राम मंदिर दर्शन के लिए या अन्य किसी कार्यक्रम में किसी विप व्यक्तियों का मूवमेंट रहता है।जिसके चलते स्कूली बच्चे मरीज, बाहर से आने वाले श्रद्धालु व अन्य राहगीर, दो पहिया व चार पहिया वाहन चालक इस जाम में घंटो फंसे रहते है।परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी ध्यान नहीं दे रहे है।देखा जाये तो इन चौराहों पर आपको एकाद यातायात के सिपाही मिलेंगे।आधा चौराहा आपको ऐसे मिलेंगे जहां पर ना तो यातायात सिपाही तैनात मिलेंगे और ना ही यातायात ट्रैफिक लाइट से भीड़ को कंट्रोल करते हुए मिलेगी।इस संबंध मे एसपी यातायात अवधेश प्रताप सिंह ने बताया बात कि विभाग में यातायात पुलिस कर्मी पर्याप्त संख्या में है। जो विभिन्न चौराहों पर तैनात रहते हैं।

तय समय में प्रोजेक्ट नहीं पूरा हुआ तो ब्लैकलिस्ट होगी फर्म

गोरखपुर, (संवाददाता)। शहर के बहुप्रतीक्षित विरासत गलियारा परियोजना को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान ने सोमवार रात परियोजना का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। चेतावनी दी कि यदि कार्य में लापरवाही या देरी पाई गई तो संबंधित कार्यदायी संस्था को ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। प्रमुख सचिव ने सीवर लाइन का निरीक्षण करते हुए कहा कि यदि कहीं सीवर लाइन धंसी तो ठेकेदार के साथ अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। प्रोजेक्ट की प्रगति धीमी होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। अधिकारियों ने बताया कि धर्मशाला से शुरू होकर जटाशंकर, आर्यनगर, बक्सीपुर, रेती, घंटाघर होते हुए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।